

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 30, यशायाह 9, मसीहाई विषय

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 30, यशायाह 9, मसीहाई विषय है।

ठीक है, मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए हम प्रार्थना करें। हे प्रभु, हम आपकी ओर देखते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि आपके पास ताकत है, और हमारे पास नहीं। आपके पास बुद्धि है, और हम कम पड़ जाते हैं।

आपके पास मास्टर प्लान है और हम एक बार में एक कदम आगे रखते हैं। प्रार्थना करें कि हमें आप पर भरोसा हो, कि हमारा भविष्य आपके साथ हो, कि आपने हमारे भीतर जो अच्छा काम शुरू किया है, उसे आप जारी रखें। हमें इस बारे में और अधिक सिखाएँ कि विश्वास से चलने का क्या मतलब है, न कि केवल अपने आस-पास जो हम देखते हैं, उसके आधार पर।

हमें विश्वास करने में मदद करें। हम राजा आहाज के बारे में पढ़ते हैं, जो अविश्वासी राजा था, जहाँ यशायाह ने उसे विकट परिस्थितियों के बीच भी विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसलिए, मैं प्रार्थना करता हूँ कि हमें वह क्षमता प्रदान करें, हमारे प्रभु मसीह के माध्यम से। आमीन।

ठीक है, आज बुधवार है और सोमवार को हमारा अगला अध्याय है, आप यशायाह पढ़ रहे हैं? मुझे आशा है कि आप पढ़ रहे होंगे। एक से सत्ताईस तक।

यह हमारा अगला फोकस होगा। इसे ध्यान से पढ़ें, खास तौर पर पैगंबर, उनके निजी जीवन, किसी भी दोहराए गए वाक्यांश, इस तरह की चीज़ों के बारे में किसी भी अंतर्दृष्टि पर विशेष रूप से ध्यान दें। अब, आज मैं जो करना चाहता हूँ वह अध्याय नौ की शुरुआत पर ध्यान केंद्रित करना है, जो हमारे मसीहाई अंशों में से एक है।

जैसा कि हमने पिछले कई व्याख्यानों में कहा था, यशायाह सभी भविष्यवक्ताओं में सबसे अधिक मसीहाई है। इसीलिए कभी-कभी उसे, कम से कम भविष्यवाणी के संदर्भ में, यशायाह के सुसमाचार के रूप में संदर्भित किया जाता है, क्योंकि मसीहा के आगमन के माध्यम से परमेश्वर की खुशखबरी की घोषणा की जाती है। उनमें से एक अंश अध्याय नौ में है, और मैं आज सबसे पहले इसके पहले सात छंदों पर काम करना चाहूँगा।

फिर भी, जो लोग संकट में हैं उनके लिए अब और उदासी नहीं होगी। अतीत में, उसने जबूलून और नप्ताली के देश को नीचा दिखाया, लेकिन भविष्य में, वह जॉर्डन के साथ समुद्र के रास्ते से अन्यजातियों के गलील को सम्मानित करेगा। अब, जब हम इसे इसकी मूल सेटिंग में सुनते हैं, तो गलील का यह क्षेत्र, जिसे इस मामले में पद एक में संदर्भित किया गया है, न केवल जॉर्डन, बल्कि समुद्र का रास्ता।

अब, पवित्र शास्त्र में आम तौर पर, समुद्र का रास्ता वाया मैरिस है, जो रूट 95 तक है, जो तट को छूता है, जैसा कि रोमन इसे कहते थे। लेकिन इस संदर्भ में, और बाइबल में कुछ अन्य स्थान हैं, जहाँ समुद्र का रास्ता किन्नेरेट को संदर्भित करता है, जिसे गैलिली के नाम से भी जाना जाता है। और इस क्षेत्र के साथ प्रमुख व्यापार मार्ग थे जो दमिश्क और अन्य स्थानों तक जाते थे।

पूरे क्षेत्र को गैर-यहूदियों का क्षेत्र कहा जाता है। पुराने नियम के समय में, यह क्षेत्र गैर-यहूदियों के भ्रष्टाचार के लिए बहुत खुला था। उदाहरण के लिए, हमने इसे होशे में देखा।

बालवाद का प्रसार। बाल फोनीशियन और कनानी लोगों का देवता था, लेकिन गैलिली में विभिन्न राष्ट्रों का मिश्रण था।

मुझे लगता है कि आप यरूशलेम के जितना करीब होंगे, आप धार्मिक रूप से उतने ही अधिक धार्मिक और शुद्ध पाएंगे। लेकिन गैलिली को एक ऐसे क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया जाता था, जो इन अन्य राष्ट्रों की सीमा पर था, और निश्चित रूप से मूर्तिपूजा प्रथाओं के लिए खुला था। निश्चित रूप से, 198 में, उस महान युद्ध को देखें, जिसका हमने यहाँ भूमि के उत्तरी भाग में उल्लेख किया है, दान से बहुत दूर नहीं, बनियास में, जहाँ सेल्यूसिड्स, देवता पैन की पूजा करते थे, और टॉलेमीज़ के बीच संघर्ष हुआ था।

और, बेशक, उस बिंदु से आगे सेल्यूसिड्स ने नियंत्रण किया। और इसलिए, माउंट हेर्मोन के तल पर पानी और पेड़ों का यह सुंदर क्षेत्र बुतपरस्त पूजा, प्रकृति पूजा, और इसी तरह के अन्य कार्यों के लिए आदर्श था। तो, यह राष्ट्रों का गलील था।

यहाँ घोषणा यह है कि इस क्षेत्र को तबाह कर दिया गया था, और यीशु नासरत से थे, जो यहीं यिज़्रेल घाटी में था। यीशु ज़ेबुलुन में पले-बढ़े, जिसका उल्लेख यहाँ पद 1 में किया गया है। याकूब के दो बेटों के पास यहाँ गलील में जनजातीय क्षेत्र था, जहाँ यीशु ने अपना बहुत सारा जीवन बिताया।

यीशु और उनकी शिक्षण सेवा अधिकांश समय गलील में ही रही। यीशु के शिष्य थे, जहाँ से यीशु आते हैं और ज़ेबुलुन में पले-बढ़े क्योंकि उनके पिता को स्पष्ट रूप से उस क्षेत्र में एक पत्थरबाज़ टीम निर्माण कार्यकर्ता के रूप में तैनात किया गया था। और इसलिए, वह ज़ेबुलुन में पले-बढ़े, जो उस जनजाति से सटा हुआ था जो गलील की झील के पूरे पश्चिमी हिस्से को नियंत्रित करता था, जो नप्ताली की जनजाति थी।

आज जब भी आप इस्राएल में किसी डाकघर में जाते हैं तो आपको किस जनजाति की याद आती है? नप्ताली। नप्ताली क्यों? याकूब की अपने बच्चों के बारे में की गई भविष्यवाणी के कारण। उत्पत्ति के 49वें अध्याय में।

धन्यवाद। एक मिल गया। इसमें लिखा है कि नप्ताली एक हिरन या एक युवा हिरण की तरह होगा।

संयुक्त राज्य अमेरिका में, हम डाक टिकटों या हमारे डाकघर के डेकल के लिए चील चुनते हैं, जहाँ चीजों को तेज़ी से उड़ना चाहिए। मुझे संदेह है कि इज़राइल में, लोगो याकूब के बेटों में से एक से चुना गया है जिसे दौड़ना चाहिए। और इसलिए, नर दौड़ता है, उड़ता नहीं। ठीक है, वह नप्टाली है।

उसने किन्नरेट के पश्चिम में स्थित इस क्षेत्र को नियंत्रित किया। किन्नरेट। किन्नर, हिब्रू में वीणा के लिए।

ग्यारह, बारह मील लंबी, लगभग आठ मील चौड़ी, वीणा, HARP, झील के आकार की। उर्फ़ गेनेसेरेट या गैलिली। लेकिन पुराने नियम के समय में, इसे किन्नरेट कहा जाता था।

और इसलिए, यीशु और उसके शिष्यों का मुख्यालय कफरनहूम था। यह नप्टाली में था। पतरस कफरनहूम से आया था।

क्या आप उसके घर जाना चाहते हैं? वह समुद्र के किनारे एक मछुआरा था। ठीक है। तो, यह वह क्षेत्र है जहाँ यीशु बड़ा हुआ, जहाँ उसने अपने शिष्यों को चुना, ज़ेबुलुन, नप्टाली, जिसके बारे में अध्याय 9 की शुरुआती पंक्ति में कहा गया है, वह निराशा में था, संकट में था।

क्यों? खैर, 2 राजाओं का एक संक्षिप्त संदर्भ: यशायाह के मंत्रालय के शुरुआती भाग के दौरान, 2 राजा 15:29 इस विशेष क्षेत्र में पोल, या तिग्लथ-पिलेसर III, जैसा कि उसे कहा जाता है, के विनाश के बारे में बात करता है। 2 राजा 15:29 कहता है, इस्राएल के राजा पेकाह के समय में, यह पेकाह आदमी जिसके बारे में आप अध्याय 7 में पढ़ रहे हैं, कुछ अध्याय पहले, जो उत्तरी राज्य का राजा था, कहता है कि अश्शूर का राजा आया और उसने हथोर सहित इन शहरों का एक समूह ले लिया। और उसने गिलाद और गलील को ले लिया, जिसमें नप्टाली की सारी भूमि भी शामिल थी।

और उसने लोगों के साथ क्या किया? उसने उन्हें निर्वासित कर दिया। तिग्लथ-पाइलसर तृतीय ने इस निर्वासन नीति की शुरुआत की। विजित लोगों को बंदी बनाकर दूसरे क्षेत्र में ले जाने वाला पहला प्रमुख राजा।

तो, यशायाह के अपने दिनों में, तिग्लथ-पिलेसर गलील पर कब्ज़ा करने जा रहा था। क्या वह कभी आकर यशायाह के इलाके पर कब्ज़ा करेगा? कम से कम अश्शूर आकर उसके इलाके पर कब्ज़ा करेगा। हम यह जानते हैं।

सन् 701 के आस-पास, सन्हेरीब ने यहूदा के सभी 46 दीवार वाले शहरों पर कब्ज़ा कर लिया, जहाँ मीका और यशायाह अपना समय बिता रहे थे। इसलिए, ज़ेबुलुन और नप्टाली, ये दो जनजातियाँ जो इस क्षेत्र में बसी थीं, पर कब्ज़ा कर लिया गया। यह संकट, अंधकार और इस क्षेत्र के लिए अपमान का समय था।

अब, इस अंतर पर ध्यान दें। लेकिन भविष्य में, प्रभु इस विशेष क्षेत्र में गलील को सम्मानित करने जा रहे हैं। और, बेशक, मैथ्यू हिब्रू बाइबिल और यीशु के जीवन और मंत्रालय और शिक्षाओं के साथ जो कुछ हो रहा था, उसके बीच इन अद्भुत संबंधों को बनाना चाहता था।

वह इस मार्ग में डुबकी लगाता है, और इसलिए मत्ती 4 में, पद 12 से शुरू करते हुए, यह कहता है, जब यीशु ने सुना कि यूहन्ना को जेल में डाल दिया गया है, तो वह गलील लौट आया। नासरत को छोड़कर, वह कफरनहूम में जाकर रहने लगा। इसलिए, वह जबूलून को छोड़ देता है, जो नासरत है, और कफरनहूम को जाता है, जो नप्ताली है।

और फिर आयत कहती है, जो ज़ेबुलून और नप्ताली के क्षेत्र में झील के किनारे था, ताकि भविष्यवक्ता यशायाह के ज़रिए कहीं गई बात पूरी हो सके। ज़ेबुलून और नप्ताली की भूमि, जॉर्डन के किनारे समुद्र का रास्ता, अन्यजातियों की गलील, अंधेरे में रहने वाले लोगों ने एक बड़ी रोशनी देखी है, जो मौत की छाया की भूमि में रहते हैं; प्रकाश चमक उठा है। और फिर मैथ्यू कहता है, उस समय से, यीशु ने प्रचार करना शुरू किया, शूव, घूमो, वापस जाओ, पश्चाताप करो, क्योंकि मल्चुत हाशमायम, स्वर्ग का राज्य यहाँ है।

किसी तरह, यीशु ने अपने जीवन में, अपनी शिक्षाओं में, परमेश्वर के इस अनोखे शासन को लाया। यह बीमारी, दुष्टात्माओं और मृत्यु पर नियंत्रण रखता है। और परमेश्वर की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

यूहन्ना ने इसकी घोषणा की थी, और अब यीशु गलील के इस बुतपरस्त इलाके में आता है। नए नियम के लेखक इस संबंध को जोड़ते हैं। यीशु के जीवन में जो कुछ हो रहा था, वह यहाँ पूर्णता का मार्ग था।

यशायाह के दिनों में, गलील के क्षेत्र में असीरियन सेना के काले बादल को देखने वाले लोगों ने अब प्रकाश देखा था। और, बेशक, यहाँ प्रकाश का तात्पर्य सुसमाचार के प्रकाश से है। इसलिए, मैंने तब ज़ेबुलून के बारे में बात की है, मैंने नप्ताली के बारे में बात की है, हमने नप्ताली के एक प्रमुख शहर के रूप में कफरनहूम के बारे में बात की है, हमने इस मामले में वाया मारिस के बारे में बात की है, जो गलील से होकर आने वाला एक प्रमुख व्यापार मार्ग है।

राष्ट्रों के लिए प्रकाश। किस अर्थ में यीशु यह महान प्रकाश था, जो मृत्यु की छाया के देश में रहने वाले लोगों के पास आया, उन लोगों के लिए जो प्रकाश से जगमगा उठे थे? खैर, यहाँ फिर से, हमारे पास यशायाह में ये दो पाठ हैं, 42.6 एक है, जहाँ यह हमारे सेवक के गीतों में से एक में, लाओर गोइम होने के बारे में बोलता है, राष्ट्रों के लिए एक प्रकाश, भगवान का सेवक, जो अंधे लोगों की आँखें खोलता है, कैदियों को जेल से मुक्त करता है, जो अंधेरे में बैठे हैं उन्हें कालकोठरी से मुक्त करता है। यह भगवान का सेवक है।

और जबकि इस्राएल के पास दुनिया के लिए टोरा को ले जाने का वह अनूठा काम था, दुनिया के लिए एक रोशनी बनने का, यीशु अब इसकी अंतिम अभिव्यक्ति होने जा रहा है, न कि सामूहिक अर्थ में जैसा कि इस्राएल था, बल्कि अब और अधिक विशिष्ट रूप से, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में

जो स्वयं परमेश्वर था। अब, वही भाषा, 49.6, मैं तुम्हें अन्यजातियों के लिए भी एक ज्योति बनाऊंगा, ताकि तुम मेरे उद्धार को पृथ्वी के छोर तक पहुंचा सको। यह परमेश्वर का सेवक, सर्वज्ञ यहोवा है।

मैं इसके बारे में बाद में और बात करूंगा। और इसलिए, यीशु ही वह व्यक्ति है जो राष्ट्रों के लिए उस प्रकाश को साकार करता है। यीशु की सेवकाई में, जैसा कि उत्पत्ति 12 में भविष्यवाणी की गई है, अब्राहम, तुम्हारे माध्यम से सभी राष्ट्र धन्य होने जा रहे हैं।

और यीशु के माध्यम से, यह आता है। जैसा कि यीशु आया, केवल इस्राएल के घराने की खोई हुई भेड़ों के पास नहीं, बल्कि उसके पास एक ऐसी सेवकाई थी जो उससे बढ़कर थी क्योंकि वह सामारियों और अन्य लोगों के पास जाता है, जहाँ हम लूका के सुसमाचार में विशेष रूप से इसकी आशा करते हैं। ठीक है, यहाँ और क्या होता है? ऐसा लगता है कि वह इस बात की आशा करता है, जैसा कि अब वह मसीहाई रूप से बात कर रहा है, कि वह राष्ट्र को बढ़ाएगा या बढ़ाएगा और उनके आनंद को बढ़ाएगा।

यह या तो यहूदी विश्वासियों के माध्यम से मसीहा के युग में राष्ट्र का विस्तार हो सकता है या गैर-यहूदियों के माध्यम से विस्तारित अब्राहमिक परिवार हो सकता है जो जैतून के पेड़ के कनेक्शन के माध्यम से यहूदी विश्वासियों से जुड़ते हैं, जैतून के पेड़ के जंगली शाखा कनेक्शन के माध्यम से, जहाँ राष्ट्र परमेश्वर के लोगों के रूप में विस्तृत हो जाता है, जैसा कि अब्राहम से परमेश्वर का वादा कहता है, तुम एक महान राष्ट्र होगे, और वह राष्ट्र विश्वास करने वाले यहूदियों और विश्वास करने वाले गैर-यहूदियों से बना होगा। और वे तुम्हारे सामने आनन्दित होते हैं जैसे एक राष्ट्र कटनी पर आनन्दित होता है। और फिर, वह मसीहाई युग के कुछ अन्य आयामों की ओर बढ़ता है।

और वह मसीहा के इन चार नामों पर आने से पहले इस विचार से शुरू करता है। वह न्यायियों के काल में वापस जाता है। और वह कहता है, क्योंकि मिद्यान की हार के दिन तुमने उनके बोझ को तोड़ दिया है, उनके कंधों पर लगी छड़ को, उनके अत्याचारी की छड़ी को।

युद्ध में इस्तेमाल किए गए हर योद्धा के जानवर और खून में लिपटे हर कपड़े को जला दिया जाएगा, आग के लिए ईंधन बन जाएगा। अब यह प्रस्तावना है, यह इस तक ले जाने वाला पूर्व कक्ष है क्योंकि हमारे लिए एक बच्चा पैदा हुआ है। भाषा गिदोन से शुरू होती है, जो अच्छे लोगों में से एक है।

कई न्यायाधीश वाकई अच्छे थे। लेकिन गिदोन निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ में से एक था, जो सिर्फ 300 लोगों के साथ, हालाँकि उसने 32,000 लोगों के साथ शुरुआत की थी, नए नियम में इब्रानियों की पुस्तक के अनुसार विश्वास के माध्यम से महान कार्य करने में सक्षम था। उसने दुश्मन को हराया।

वह देश में शांति लाता है। यह सब न्यायियों 6 से 8 में है। यदि आप सऊदी अरब के रेगिस्तान से अपने विशाल ऊँटों के साथ आए इन मिद्यानियों की हार की पूरी कहानी पढ़ना चाहते हैं, जो उस

समय हिब्रू या इस्राएलियों के पास खेती के क्षेत्रों से होकर गुज़रे थे। और इसलिए, वे इन विशाल जानवरों से डर गए थे, जिन्हें टिड्डियों के झुंड की तरह आने के रूप में वर्णित किया गया है।

तो, गिदोन के समय में सैकड़ों-सैकड़ों ऊँटों ने देश पर अत्याचार करने के लिए आना शुरू किया होगा। लेकिन अचानक विनाश हुआ जो परमेश्वर के शत्रुओं को दिया जाएगा क्योंकि वह यहाँ एक परिवर्तन कर रहा है, मिद्यान के अचानक जीतने की बात कर रहा है, जैसा कि आप न्यायियों के अध्याय 7 में देखेंगे, श्लोक 22 से शुरू होता है। मैंने अभी आपको वे श्लोक पढ़कर सुनाए हैं।

जब 300 तुरहियाँ बजने लगीं, तब यहोवा ने छावनी के लोगों को तलवारों से एक दूसरे पर वार करने के लिए प्रेरित किया, और सेना भाग गई। और उन्होंने मिद्यानियों का पीछा किया। और गिदोन ने एप्रैम के पहाड़ी देश में यह संदेश भेजा, कि मिद्यानियों के विरुद्ध उतरो और उनके आगे यरदन के जल पर अधिकार कर लो।

और इसी तरह आगे भी। और इस तरह, उसने मिद्यानियों को परास्त कर दिया। और चक्रीय इतिहास का यह हिस्सा हमें न्यायियों में मिलता है।

जब लोग ईश्वर से प्रार्थना करते हैं, तो ईश्वर हमें शोफेट, एक सैन्य नायक, योद्धा व्यक्ति भेजता है। हम उन्हें न्यायाधीश कहते हैं, लेकिन वे हाथ में हथौड़ा लिए काले वस्त्र नहीं पहनते थे। ये लड़ाकू अभिजात वर्ग के लोग थे जिन्हें विदेशी आक्रमणकारियों को पीछे हटाने के लिए तैयार किया गया था।

और इसलिए, यशायाह भविष्यवाणी करता है कि परमेश्वर असीरियन सेना और उनके अत्याचारी जुए को नष्ट कर देगा। और, बेशक, 701 में ऐसा हुआ। यदि आप हिजकिय्याह-सेनचेरीब की कहानी से परिचित हैं, तो कैसे 185,000 असीरियन सैनिक, किसी तरह, प्रभु के दूत की शक्ति से, चाहे इसका जो भी अर्थ हो, हेरोडोटस कहते हैं कि यह शिविर से गुज़रने वाले चूहों द्वारा फैलाई गई महामारी की तरह था।

लेकिन यह एक बहुत ही अचानक हार थी। और वह इस 701 की हार से आगे बढ़ता है, क्योंकि उन्होंने यरूशलेम को चारों ओर से घेर लिया था, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में आगे बढ़ता है जिसे युद्ध विजेता, योद्धा के रूप में भी संदर्भित किया जाएगा। और यह मसीहा का चरित्र है।

इसलिए, जिस तरह अशूर को चमत्कार से परास्त किया जा सकता था, न कि यहूदा की सेना की ताकत से क्योंकि उन्होंने ऐसा नहीं किया। वास्तव में, हिजकिय्याह यहूदा के उन 46 दीवार वाले शहरों के कारण पूरी तरह से हिल गया था और चिंतित था, जिन्हें सन्हेरीब ने पहले ही ले लिया था। यह उस अशूर के खतरे को दूर करने के लिए ईश्वर द्वारा एक दिव्य हस्तक्षेप था।

फिर वह इस पर आगे बढ़ता है: परमेश्वर यहूदा के लिए जो करता है वह मसीहा के आने के माध्यम से सच होगा जो दाऊद की वंशावली के माध्यम से इस शासक के आने के माध्यम से सार्वभौमिक शांति की अवधि की ओर ले जाएगा, जैसा कि श्लोक 7 कहता है, क्योंकि वह दाऊद के सिंहासन पर बैठने जा रहा है। अब, वह युद्ध के परिधानों का उल्लेख करके शांति के इस विचार को सामने लाता है। खूनी वस्त्र नष्ट हो जाएंगे।

योद्धा के जूते भी जल गए। और सैनिकों के उपकरण भी जलकर राख हो गए। यहाँ निहितार्थ यही है कि युद्ध समाप्त हो जाएगा।

यह हमें अध्याय 2 में वापस ले जाता है। तलवारों को हल के फाल में बदलना, भालों को काँटों में बदलना, मसीहा के आगमन से जुड़ा हुआ है। बेशक, यह उनका पहला आगमन नहीं है जहाँ वे इसका उद्घाटन करते हैं, लेकिन यहाँ मुझे लगता है कि वे सांसारिक शांति की ओर संकेत कर रहे हैं जो तब तक नहीं आएगी जब तक कि इस्राएल के परमेश्वर के सभी शत्रुओं पर विजय प्राप्त नहीं कर ली जाती और उन्हें निर्वासित नहीं कर दिया जाता। सभी विरोधी शक्तियों का अंतिम पराभव।

तो, सन्हेरीब के मामले में जो हुआ वह सभी विरोधी शक्तियों के इस अंतिम पराभव के माध्यम से आने वाली एक बड़ी जीत का पूर्वाभास मात्र है। और यह इस बच्चे के जन्म के माध्यम से आता है जिसे चार नाम दिए गए हैं। जिसका शासन हमेशा के लिए होगा और ऐसा शासन जो युद्ध को जानेगा क्योंकि पद 5 संकेत करता है।

अब, यदि आप बाइबल के अंत में देखें, तो रहस्योद्घाटन, निश्चित रूप से, पुराने नियम के अंशों के लिए बहुत सारे संकेत देता है। बाइबल में एक जगह जो इतिहास के महान और अंतिम चरमोत्कर्ष युद्ध को संदर्भित करती है, वह है रहस्योद्घाटन 16.16 जहाँ यह हर मगिदो, मगिदो के टीले या पहाड़ी के बारे में बात करता है। जैसा कि आप में से कई लोग जानते हैं, इस शब्द आर्मागिडन में, आप मगिदो शब्द देखते हैं।

और वहाँ मगिदो है, जो कि ऐतिहासिक रूप से 1400 ईसा पूर्व तक सेनाओं के रूप में थोड़ा अतीत था, जब राजा थुटमोस ने सेना को रूट 95 तक लाया और फिर मगिदो में अंतर्देशीय आया। और उस संकरे दर्रे से, कार्मेल रेंज के कारण, आपको अंदर की ओर जाना पड़ता था। यह महान युद्धों, झड़पों और घात-प्रतिघातों का स्थान था।

1917 में प्रथम विश्व युद्ध के अंत में हमारे पास एक था। इसलिए, राजा योशियाह की मृत्यु मगिदो में हुई, जब वह अपने रथ में सवार होकर फिरौन नेचो को रूट 95 पर आने से रोकने की कोशिश कर रहा था, जो कारकेमिश में अपंग बेबीलोन की सेना की सहायता करने के लिए जा रहा था। और यह कारकेमिश में इतिहास की सबसे बड़ी चरमोत्कर्ष वाली लड़ाइयों में से एक बन गई क्योंकि असीरिया फिर कभी महाशक्ति नहीं बन पाया। अस्तित्व समाप्त हो गया क्योंकि मिस्र बड़े पैमाने पर अपंग असीरियन सेनाओं की सहायता करने के लिए समय पर वहाँ नहीं पहुंच पाया, और अब बेबीलोन ने ड्राइवर की सीट संभाल ली है।

तो, मगिदो संघर्ष का स्थान था। और इसलिए, इसका उपयोग रहस्योद्घाटन की पुस्तक में उस अंतिम युद्ध, सभी युद्धों की जननी को दर्शाने के लिए किया गया है। इसने अच्छाई और बुराई के इस अंतिम संघर्ष का प्रतिनिधित्व करने वाली एक छवि प्रदान की।

यह दिलचस्प है कि आप शास्त्रों में एक छोटी सी आयत लेते हैं, बाइबल में केवल एक ही जगह पर आर्मागिडन शब्द का उल्लेख किया गया है, और इसका हमारे संपूर्ण अंग्रेजी शब्दकोशों पर

प्रभाव पड़ता है। यदि आप अंग्रेजी शब्दकोश में आर्मागिडन शब्द को देखें, तो यह स्पष्ट रूप से अच्छाई और बुराई के बीच अंतिम टकराव का प्रतिनिधित्व करता है, वह अंतिम युद्ध जहाँ अच्छाई की जीत होगी। इस विशेष मामले में, भगवान की जीत होती है।

और यह इस धरती पर परमेश्वर के राज्य की अंतिम स्थापना के संबंध में है, क्योंकि उसका विरोध करने वाली सभी विदेशी ताकतों पर विजय प्राप्त की जाती है। और जबकि विद्वान इस बात पर बहुत बहस करते हैं कि आर्मागिडन की अभिव्यक्ति को कैसे समझा जाए, कैसे शाब्दिक रूप से, कैसे प्रतीकात्मक रूप से, यह एक कोड वर्ड बन जाता है जो अंग्रेजी भाषा में प्रवेश करता है। मुझे याद है कि मैंने न्यूयॉर्क टाइम्स में पढ़ा था कि अगर हम मध्य पूर्व में इस विशेष राष्ट्र को नियंत्रित नहीं करते हैं, तो आर्मागिडन हमारे दरवाजे पर होगा।

खैर, न्यू यॉर्क टाइम्स को पढ़ने के लिए आपको यह समझना होगा कि आर्मागिडन का क्या मतलब है। यह अंग्रेजी भाषा का एक उधार लिया गया शब्द है। आर्मागिडन कौन है, क्या है? बाइबिल का इतिहास जानने के लिए।

तो, यहाँ निहितार्थ यह है कि मसीहा और मसीहा के शासनकाल की परिणति के माध्यम से, विशेष रूप से जब वह इस धरती पर लौटता है, यहाँ चित्रित इतिहास की यह चरमोत्कर्ष लड़ाई, इस अंतिम समय से जुड़ी है जब दाऊद का महान पुत्र इस धरती पर न्याय और धार्मिकता के साथ इस समय से लेकर हमेशा के लिए शासन करता है। यह कैसे पूरा होता है? प्रभु का जोश इसे पूरा करेगा। अब, मैं यहाँ मसीहा के नामों या उपाधियों के बारे में थोड़ी बात करना चाहता हूँ।

कौन है जो जन्म लेने वाला है? दिलचस्प बात यह है कि यहाँ हिब्रू भाषा में पूर्ण काल का प्रयोग किया गया है। क्योंकि हमारे लिए एक बेटा पैदा हुआ है। यह हो चुका है।

इसे ही विद्वान तथाकथित भविष्यवाणी पूर्ण कहते हैं। अर्थात्, हिब्रू बाइबिल में ऐसे स्थान हैं, वास्तव में सैकड़ों स्थान हैं, जहाँ भविष्यवक्ताओं के लिए वास्तव में भविष्य में घटित होने वाली घटना को भविष्यवक्ता पहले ही घटित हो चुकी मानता है। यह 1 यूहन्ना की तरह है।

जॉन कभी-कभी उस वाक्य का प्रयोग करता है जिसे हम पत्र-पत्रिका संबंधी अओरिस्ट कहते हैं। जबकि हम इसे अपनी अंग्रेजी बाइबल में इस तरह पढ़ सकते हैं जैसे मैं तुम्हें लिख रहा हूँ, ग्रीक में शाब्दिक रूप से कहा गया है कि मैंने तुम्हें लिखा है, खुद को पाठक की स्थिति में रखते हुए। तो, यह बच्चा, यह लिखने वाले के दिमाग में एक तथ्य है, लेकिन हमारे अंग्रेजी अनुवादों में, हमारे लिए एक बच्चा पैदा हुआ है।

यशायाह के दिनों में ऐसा अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन इसे तथाकथित परिपूर्ण के रूप में पेश किया जाता है, जो पूर्ण कार्य को संदर्भित करता है। इस मामले में, अतीत के संबंध में नहीं, बल्कि इस मामले में, लेखक के मन में। यहाँ नाम या उपाधियाँ इस मसीहा के चरित्र का वर्णन करती हैं।

राजा जेम्स ने पाठकों को कुछ भ्रम में डाल दिया। राजा जेम्स की 400वीं वर्षगांठ होने के कारण, हम सोच सकते हैं कि पाँच उपाधियाँ थीं। उसका नाम अद्भुत, परामर्शदाता, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्त पिता, शांति का राजकुमार कहा जाएगा।

आपको पाँच मिले। बाइबल के आपके अधिकांश आधुनिक अनुवादों में प्रत्येक शीर्षक के लिए दो शब्द हैं और कुल चार शीर्षक हैं, जो मुझे लगता है कि कविता की संरचना को देखते हुए बेहतर है। अब, पहला शीर्षक है, उसे अद्भुत परामर्शदाता कहा जाएगा।

आप यहाँ एक फुटनोट में वैकल्पिक रीडिंग या वंडरफुल, काउंसलर देखेंगे। मुझे NIV में कुछ मीटिंग्स याद हैं जहाँ लोग बहस करते थे, और फिर से, वह एक अल्पसंख्यक वोट था, और NIV पर काम करने वाली अनुवाद समितियों में हर कोई, मैं कहूँगा कि लगभग हर व्यक्ति, किंग जेम्स संस्करण पर पला-बढ़ा था। मेरा मतलब है, यह NIV से पहले का संस्करण था।

एनआईवी का नया नियम 1970 के आसपास पूरा हुआ, और पुराना नियम 1978 में। आरएसवी 1950 के दशक में आना शुरू हुआ, लेकिन यह दिलचस्प है कि उन दिनों आरएसवी को इंजील समुदाय द्वारा व्यापक रूप से और तुरंत समर्थन नहीं मिला था। मेरा मतलब है, कई धार्मिक मुद्दे थे जो चिंता का विषय थे, और इसलिए एक प्रवृत्ति थी, यदि आप शास्त्र को याद करने जा रहे हैं, तो आप किंग जेम्स अनुवाद से चिपके रहते हैं।

यहाँ पर अभिव्यक्ति का शाब्दिक अर्थ है एक परामर्शदाता का आश्चर्य। यानी, परामर्श देने वाला कोई अद्भुत व्यक्ति। अद्भुत शब्द के पीछे यह शब्द पेले है, जो एक या दो दशक पहले दुनिया का सबसे महान फुटबॉल खिलाड़ी था, वह दक्षिण अमेरिका का एक व्यक्ति था, भ्रमित न हों।

इस पेले का इस्तेमाल परमेश्वर के कार्यों में किया जाता है। उदाहरण के लिए, रीड सागर को पार करके, इस्राएल मिस्र से बाहर निकलता है, निर्गमन 15:11। उस अनुभव को पेले के रूप में वर्णित किया गया है।

या मिस्र में विपत्तियाँ, और भजनों का वर्णन चमत्कारिक अर्थ में किया गया है। और चमत्कारिक से हमारा तात्पर्य आमतौर पर चमत्कारी चीज़ों से है। ये संकेत और चमत्कार।

और इसलिए, संकेत कुछ अलौकिक है। वह सलाह देने में अद्भुत है और अपनी महान बुद्धि के लिए प्रसिद्ध है। चाहे यह यीशु और यीशु से जुड़ी ज्ञान परंपरा को संदर्भित करता हो, दृष्टांतों या अन्य साधनों का उपयोग करके सिखाने की उनकी क्षमता, पहाड़ी उपदेश, या केवल यह तथ्य कि नया नियम कहता है कि लोग उसके शब्दों और उसके सिद्धांत से चकित थे, या वह कह सकता था कि यह पुराने समय में कहा गया था, और वह उन्हें बताएगा कि यह क्या था, लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ, यह सलाह देने में अद्भुत होगा, सामान्य से परे।

दूसरा शीर्षक, शक्तिशाली ईश्वर, पर बहुत बहस हुई है। हिब्रू में इसे एल गिबोर कहते हैं। इसका अनुवाद महान नायक के रूप में किया जा सकता है।

एल शब्द का अर्थ ईश्वर हो सकता है, साथ ही वह जो महान है। इसकी अधिक पारंपरिक समझ यह है कि यह मसीहा के लिए एक दिव्य उपाधि है, जो ईसाई परंपरा में स्पष्ट रूप से दिव्य है; एल का उपयोग ईश्वर के लिए किया जाता है; यह ईश्वर का संक्षिप्त रूप है, जिससे आप पहले से ही परिचित हैं। माइकल, जोएल, डैनियल, ईजेकील, बेथेल, इसलिए इसका अर्थ ईश्वर है।

यहाँ उसका वर्णन करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण शब्द गिबोर है, जो हमें इस अध्याय के पहले भाग से जोड़ता है। गिबोर एक शक्तिशाली व्यक्ति होता है, युद्ध के मैदान में एक चैंपियन, एक नायक। गेब्रियल के नाम का क्या अर्थ है? नायक या चैंपियन, या भगवान का शक्तिशाली व्यक्ति।

गेब्रियल। गेब्रियल कहाँ दिखाई देता है? सुसमाचारों में। ठीक है।

उस देवदूत के लिए एक सुंदर हिब्रू नाम। ईश्वर का शक्तिशाली, ईश्वर का नायक, ईश्वर का चैंपियन। उस व्यक्ति की घोषणा करना जो अपने जीवन में एल गिबोर होगा, अगर आप चाहें तो।

तो, यह विशेष मसीहाई उपाधि, यह शक्तिशाली नायक, मजबूत या शक्तिशाली व्यक्ति, या सैन्य नेता, हमें इस विचार से जोड़ता है: जब वह आएगा, तो सभी शत्रुओं का खात्मा हो जाएगा। अब, एक विषय जो हम बार-बार भविष्यवक्ताओं में पढ़ते आ रहे हैं, वह यह है कि जब मसीहा आएगा, जब प्रभु का दिन, योम याहवे, आएगा, तो इसका अर्थ होगा सभी शत्रुओं का विनाश, परमेश्वर का विरोध करने वालों पर न्याय, प्रतिशोध, परमेश्वर के लोगों का उद्धार। तो, यह दिव्य नायक क्राइस्टोलॉजी, यदि आप चाहें, तो यह युद्ध चैंपियन चित्र, वह जो अंतिम विजय सुनिश्चित करेगा।

योद्धा के रूप में उनकी दिव्य शक्ति पर जोर दिया गया है। तीसरी उपाधि, शाश्वत पिता, शाब्दिक रूप से अनंत काल का पिता, इस तथ्य पर जोर देता है कि यह व्यक्ति स्थायी होगा। राजा आते हैं और जाते हैं, उनके कार्यकाल की सीमाएँ होती हैं।

बाइबल में पिता, बेटे की तरह, किसी चीज़ की श्रेणी को संदर्भित कर सकता है। अब्राहम बेन 75 है, जब वह अपनी सेवकाई शुरू करता है। वह 75 साल का बेटा है, जो कि बाइबल के हमारे अंग्रेजी अनुवाद में, बस एक ऐसा व्यक्ति है जो 75 साल का है।

बेन का मतलब बार, बार मिट्ज्वा, आज्ञा का बेटा हो सकता है। इसका वास्तविक अर्थ शाब्दिक पुत्र नहीं है, बल्कि वह है जिसे यहूदी धर्म की आज्ञाओं को अपनाने की श्रेणी में वर्णित किया गया है या लिया गया है। बरनबास, बरनबास, यह अरामी भाषा में प्रोत्साहन के बेटे के लिए है।

बरनबास का क्या मतलब है? शाब्दिक रूप से प्रोत्साहन का पुत्र नहीं, बल्कि वह प्रोत्साहन देने वाला है। 2 कुरिन्थियों 1:3 के अनुसार, परमेश्वर दया का पिता है। शाब्दिक रूप से दया का पिता नहीं, बल्कि वह व्यक्ति जिसके पास दया का गुण, चरित्र, दयालु होने की विशेषता है।

तो, चाहे वह बेटा हो या पिता, यह जेम्स की तरह व्यक्त करने का एक विशिष्ट सेमिटिक तरीका है, परमेश्वर ज्योतियों का पिता है। तो, इसमें यह स्थायी गुण होगा। वह अपने स्वभाव में शाश्वत, स्थायी होगा।

मसीहा, वास्तव में, अपने अस्तित्व में शाश्वत है। अगर हम इसे यहून्ना के सुसमाचार की प्रस्तावना से जोड़ते हैं, तो वह शाश्वत कानून का सुसमाचार है। हम इन सभी चीज़ों को लेते हैं और उन्हें एक साथ रखते हैं।

और वह वही है जो दूसरों को अनंत जीवन देता है। इसलिए, यहाँ अनंत काल या स्थायी प्रकृति पर निश्चित रूप से जोर दिया गया है। हमें एहेये-आशेर-एहेये की याद दिलाता है।

मैं हूँ, या मैं वही होऊँगा जो मैं होऊँगा। या, जैसा कि प्रकाशितवाक्य में कहा गया है, वह जो था, वह जो है, और वह जो आने वाला है। तो, आपके पास वह भाषा है।

या जैसा कि मोफ़ैट ने अपने फ्रेंच अनुवाद में अनुवाद किया है, योड-हेह-वव-हेह, यहोवा, ले इटरनल, शाश्वत के रूप में। ठीक है, यह दाऊद का पुत्र है, जो दयालु, रक्षक और स्थायी होगा, जो शांति लाने के साथ भी जुड़ा होगा। और इसलिए सर-शालोम का यह विचार।

यहाँ शालोम पर जोर दिया गया है, जिसका अर्थ है कि उसका शासन शालोम का अर्थ जो भी है, वह लाएगा, जो कि पूर्णता, पूर्णता, सद्भाव, मित्रता और स्थिति की सुदृढ़ता है। जब दो इजरायली आज सड़क पर एक दूसरे से बात करते हैं, मा शालोम-चा, आप कैसे हैं? शाब्दिक रूप से, आज आपकी सेहत कैसी है? आपका स्वास्थ्य कैसा है? शालोम, हिब्रू क्रिया का अर्थ है सब कुछ एक साथ होना। उस अर्थ में, शालोम का अर्थ है परिपूर्ण, संपूर्ण, संपूर्ण।

और इसलिए, जब मसीहा आएगा, तो जो कुछ भी गड़बड़ है, उसे ठीक किया जाएगा। इसे प्रेरितों के काम की पुस्तक में पुनर्स्थापना के समय के रूप में संदर्भित किया गया है, चीजों को सही रिश्तों और सही परिस्थितियों में लाने का समय। और पृथ्वी पर धार्मिकता की अच्छी स्थिति, जो इस शालोम का हिस्सा है, सुदृढ़ता, पूर्णता, पूर्ण पूर्णता, सुरक्षित और स्वस्थ, शांति, बाहरी और आंतरिक दोनों तरह से, वह है जो मसीहा मनुष्य और ईश्वर और मानव प्राणियों के बीच एक दूसरे के साथ संबंधों में लाएगा।

तो, शालोम को मानवीकृत किया जाएगा। रब्बी कभी-कभी शालोम शब्द का इस्तेमाल सर्वशक्तिमान के पर्याय के रूप में करते हैं। इसलिए, यहाँ उसे दाऊद के सिंहासन पर बैठे हुए वर्णित किया गया है।

डेविड का नाम मैथ्यू 1 में नए नियम में उल्लिखित पहला नाम है। और ल्यूक, अपने सुसमाचार के प्रस्तावना में, इसी विषय को कैसे उठाता है, है न? इसकी घोषणा करते हुए, जी-बोर एल, या एल जी-बोर की घोषणा। यह गेब्रियल है, छठे महीने में, स्वर्गदूत गेब्रियल, भगवान की ओर से गलील के एक शहर नासरत में भेजा गया था। ओह, फिर से एवलिन है।

इसमें दाऊद के घराने का ज़िक्र है। और यह योद्धा, यह महान व्यक्ति उससे कहता है, डरो मत, मरियम, जो कि रब्बी योसी लिप्सकर के अनुसार, बाइबल में सबसे ज़्यादा बार पाया जाने वाला आदेश है। डरो मत।

तुम्हारा एक बेटा होगा। वह महान होगा। प्रभु उसे उसके पिता दाऊद का सिंहासन देगा और वह याकूब के घराने और उसके राज्य पर सदा राज करेगा।

इसका कोई अंत नहीं होगा। फिर, बेशक, वह इस बात पर बहुत भड़क गई। यह कैसे हो सकता है? मैं तो शादीशुदा भी नहीं हूँ।

तो, यह एक दोहरा विचार था। बहुत बड़ा। लेकिन यह सब यहाँ एक ही भाषा से जुड़ा हुआ है।

यह कैसे हुआ? खैर, श्लोक 7 का अंत किस बात से होता है? सर्वशक्तिमान प्रभु का जोश इसे पूरा करेगा। तो, यहाँ जो भाषा है, उसका कुछ हिस्सा सीधे मसीहा के पहले आगमन पर लागू होता है। इसका कुछ हिस्सा सीधे दूसरे आगमन पर लागू होता है।

ज़्यादातर नाम दोनों से संबंधित हैं क्योंकि एक आरंभिक परलोक विद्या है। ये पहले से ही हैं, लेकिन अभी नहीं। ये अरबन हैं।

यदि आप चाहें तो इन आंशिक अनुभवों को अंत में कहीं अधिक मात्रा में भुनाया जाएगा। तो, ये मसीहा के शीर्षक हैं जो अध्याय 9 में पाए जाते हैं।

अगली बार, मैं अध्याय 7 के बारे में बात करूँगा, जो मैथ्यू अध्याय 1 से लिया गया हमारा कुंवारी जन्म का अंश है। और शुक्रवार को हमारा ध्यान इसी पर रहेगा।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 30, यशायाह 9, मसीहाई विषय है।